मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 30, मुंबई, बुधवार, 10 मार्च, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

वैक्सीनेशन के बाद मुंबई में पहली मौत

65 साल के बुजुर्ग ने कोरोना वैक्सीन लगने के डेढ़ घंटे बाद...

तोड़ा दम

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव इलाके के रहने वाले एक 65 साल के बुजुर्ग की कोविड-19 वैक्सीन लगाने के सिर्फ डेढ़ घंटे बाद मौत हो गई। मुंबई में यह पहला मामला है जब वैक्सीन लगाने के इतनी कम समय में किसी की मौत हुई है। बुजुर्ग सोमवार दोपहर वैक्सीन की पहली खुराक लगवाने के लिए जोगेश्वरी के मिलट नर्सिंग होम में गया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कई बीमारियों से भी था ग्रसित

बॉलीवुड में... CORONA RETURNS

रणबीर कपूर और संजय लीला भंसाली पॉजिटिव, आलिया ने खुद को किया क्वारैंटाइन

मुंबई। बॉलीवुड में कोरोना ने फिर दस्तक दे दी है। इस बार एक्टर रणबीर कपूर और डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की कोविड टेस्ट रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। इसके बाद भंसाली की अपकमिंग फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी और रणबीर की ब्रह्मास्त्र की शूटिंग रोक दी गई है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ममता की चुनावी चुटकी

ममता बनर्जी नंदीग्राम स्थित चंडी मंदिर गईं, इसके बाद नंदीग्राम में शमशाबाद मजार पर भी पहुंचीं और चादर चढ़ाई

नंदीग्राम। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार (9 मार्च) को नंदीग्राम में मंच पर चंडी पाठ पढ़ा। इस दौरान उन्होंने अपना चुनावी अभियान भी शुरू कर दिया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि मतदान वाले दिन लोग भाजपा को 'अप्रैल फूल' बनाएंगे। बता दें कि इस दौरान ममता बनर्जी ने हिंदुत्व के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरने की कोशिश की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बोलीं- वोटिंग वाले दिन लोग भाजपा को बनाएंगे 'अप्रैल फूल'

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

आरक्षण पर जरूरी विचार

पचास प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण देना सही है या नहीं, इसका फैसला करने की दिशा में सुप्रीम कोर्ट का गंभीर होना स्वागतयोग्य है। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने आरक्षण के प्रावधानों और इसकी बदलती जरूरतों पर विचार शुरू कर दिया है। विगत वर्षों में एकाधिक राज्य ऐसे हैं, जहां 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण देने की कोशिश हुई और मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। पूरे देश में अभी यह भ्रम की स्थिति है कि क्या किसी राज्य को 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देने की अनुमति दी जा सकती है? वर्ष 1992 के इंद्रा साहनी मामले में संविधान पीठ के फैसले के बाद यह परंपरा रही है कि 50 फीसदी से अधिक आरक्षण नहीं दिया जा सकता। वैसे तो हमारी सरकारों को ही विधायिका के स्तर पर यह विचार कर लेना चाहिए था कि आरक्षण की सीमा क्या होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य है कि आरक्षण राजनीति का तो विषय है, पर उसे लेकर वैधानिक गंभीरता बहुत नहीं रही है। वैधानिक गंभीरता होती, तो सांसद-विधायक आरक्षण की सीमा पर संवाद के लिए समय निकाल लेते और मामला सुप्रीम कोर्ट तक नहीं पहुंच पाता। अब अदालत को यह देखना है कि विगत दशकों में कैसे सामाजिक-आर्थिक बदलाव हुए हैं। इसके लिए अदालत ने सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों से जवाब दाखिल करने को कहा है। वास्तव में, मराठा आरक्षण को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की संविधन पीठ ने सुनवाई के दौरान जो कदम उठाए हैं, उनका दूरगामी और गहरा असर तय है। महाराष्ट्र सरकार मराठा वर्ग को विशेष आरक्षण देना चाहती है, जिस वजह से 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन हो रहा है, अतः अदालत ने इस आरक्षण पर रोक लगा दी थी। इसके बाद महाराष्ट्र सरकार की शिकायत और अन्य याचिकाओं ने गहराई से विमर्श की पृष्ठभूमि तैयार की है। इसमें कोई शक नहीं, अगर महाराष्ट्र के मामले में 50 प्रतिशत से ज्यादा आरक्षण को स्वीकृत किया गया, तो इसका असर सभी राज्यों पर पड़ेगा, अतः इसमें तमाम राज्यों की राय लेना एक सही फैसला है। सभी राज्यों को सुनकर एक रास्ता निकालना होगा, ताकि भविष्य में विवाद की स्थिति न बने। कई सवालों के हल होने की उम्मीद बढ़ गई है। क्या राज्यों को अपने स्तर पर आरक्षण देने का अधिकार है? क्या केंद्र सरकार के अधिकार में कटौती नहीं होगी? 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण देने से समाज के किसी वर्ग के साथ अन्याय तो नहीं होगा? आरक्षण का समानता के अधिकार से कैसे नया नाता बनेगा? सर्वोच्च न्यायालय जब सुनवाई शुरू करेगा, तब अनेक जटिल सवालों के जवाब मिलते जाएंगे। संविधान की रोशनी में आरक्षण पर तथ्य आधारित तार्किक बहस जरूरी है, ताकि वंचित वर्गों को यथोचित लाभ मिले। सबसे अच्छा तरीका तो यही है कि आबादी के अनुपात में ही वंचितों को अवसर दिए जाएं। यह भी देखना है कि आज के समय में वंचित कौन है। वंचितों को अवसर देने की कोशिश में किसी के साथ अन्याय न होने लगे। चूंकि 50 प्रतिशत की मंजूर आरक्षण सीमा को 28 साल बीच चुके हैं, तो नई रोशनी में पुनर्विचार हर लिहाज से सही है। पुनर्विचार के जो नतीजे आएंगे, उससे देश की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक बुनियाद तय होगी। लोग यही उम्मीद करेंगे कि फैसला ऐसा आए, जो समाज को मजबूत करे।

पांच राज्यों का चुनाव बड़ी परीक्षा

वैसे तो भारतीय जनता पार्टी इन दिनों हर चुनाव करो या मरो के अंदाज में लड़ती है। जहां उसका कुछ भी दांव पर नहीं होता है वहां भी वह ऐसे चुनाव लड़ती है, जैसे उसे सरकार बनानी है। केरल में भाजपा को पता है कि उसका कुछ भी दांव पर नहीं है, पिछली बार के चुनाव में वह सिर्फ एक सीट जीत पाई थी और तमाम प्रयास के बावजूद लोकसभा चुनाव में भी कुछ खास वोट नहीं हासिल कर पाई थी। फिर भी इस बार पार्टी ने पूरा दम लगाया है। हर तरह के उपाय किए जा रहे हैं। 88 साल के ई श्रीधरन को पार्टी में शामिल कराने से लेकर उन्हें मुख्यमंत्री दावेदार बनाने की चर्चा तक पार्टी ने वह सब कुछ किया, जिससे चुनाव से पहले वह मुख्यधारा में लड़ती दिखे। अमित शाह ने 51 फीसदी हिंदू वोट साधने के लिए दो दर्जन से ज्यादा मठों के मठाधीशों के साथ मुलाकात की।

भाजपा पिछले करीब सात साल से इसी तरह के प्रयास पश्चिम बंगाल में कर रही थी और उसका नतीजा सबके सामने है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह के कमान संभालने के बाद पहले प्रयास में भाजपा को बंगाल लोकसभा में दो और विधानसभा में तीन सीटें मिली थीं। लेकिन दूसरे प्रयास में भाजपा ने लोकसभा की 18 सीटें जीतीं और इस बार विधानसभा में उसका तृणमूल कांग्रेस के साथ आमने-सामने का मुकाबला है। तभी बंगाल के चुनाव में पूरे देश की दिलचस्पी है। अगर भाजपा वहां जीतती है तो यह उसकी रणनीति और उसके तय किए एजेंडे की जीत होगी और तब उन राज्यों में भाजपा की चुनौती को गंभीरता से लिया जाने लगेगा, जहां वह अभी हाशिए की पार्टी है। दक्षिण के राज्यों- केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अलावा पूर्वी भारत का ओड़िशा ही ऐसे राज्य हैं, जहां भाजपा अभी अपना असर नहीं छोड़ पाई है। इन राज्यों में भाजपा को गंभीरता से लिया जाए, इसके लिए जरूरी है कि पांच राज्यों के चुनाव में भाजपा अच्छा प्रदर्शन करे। इन पांच राज्यों के नतीजों से ही पता चलेगा कि भाजपा के विस्तार की प्रक्रिया चलती रहेगी या उसका सिकुड़ना शुरू होगा।

अगर पुराने पैमाने पर देखें तो भाजपा अपने चरम पर पहुंच गई है। उसके पास और फैलने के लिए जगह नहीं है। लेकिन यह भी हकीकत है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए पुराने पैमानों का कोई मतलब नहीं है। दो बार लोकसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत हासिल होने के बाद और देश के ज्यादातर राज्यों में सरकार बनाने के बावजूद ये दोनों नेता ऐसी

मेहनत कर रहे हैं, जैसे पहला चुनाव लड़ रहे हों। ऐसा इसलिए है क्योंकि इन दोनों का सहज स्वभाव इसी तरह से टकराव बना कर और हर चुनाव को बड़े इवेंट में बदल कर लड़ने का है। लेकिन दूसरा कारण यह है कि इनको पता है कि ये पांचों चुनाव उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह हैं। पांच राज्यों के चुनाव भाजपा के लिए क्यों बड़ी परीक्षा की तरह हैं, इसके कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि पिछले लोकसभा चुनाव के बाद राज्यों के चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन लगातार खराब हुआ है। बिहार के एक अपवाद को छोड़ दें तो हर जगह भाजपा को नुकसान हुआ। दूसरा, कारण यह है कि इन चुनावों से भाजपा के लिए अखिल भारतीय स्वीकार्यता के नए दरवाजे खुलने हैं। तीसरा कारण यह है कि अगले साल उत्तर प्रदेश सहित सात राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, उनसे पहले यह चुनाव एक तरह के पूर्वाभास की तरह है और चौथा कारण यह है कि भाजपा की दो बड़ी और महत्वाकांक्षी नीतियों- केंद्रीय कृषि कानून और नागरिकता संशोधन कानून की परीक्षा इस चुनाव में होनी है। चुनाव को करो या मरो के अंदाज में लड़ने का पहला कारण लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन को दोहराने का दबाव है। मई 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से पांच राज्यों- महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड, दिल्ली और बिहार में विधानसभा के चुनाव हुए और एक बिहार के अपवाद को छोड़ दें तो चार राज्यों में भाजपा को नुकसान हुआ। उसे महाराष्ट्र और झारखंड में सत्ता गंवानी पड़ी तो हरियाणा में भी उसकी सीटें कम हो गईं और बड़ी मुश्किल से दुष्यंत चौटाला के समर्थन से उसकी सरकार बनी है। दिल्ली की 70 सीटों में से भाजपा मुश्किल से आठ सीट जीत पाई। बिहार में जरूर भाजपा की सीटें बढ़ीं पर उसका श्रेय नीतीश कुमार को जाता है। दूसरा कारण यह है कि भाजपा को लग रहा है कि इन चुनावों में जीत से उसके लिए अखिल भारतीय स्वीकार्यता का दरवाजा खुलेगा। पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए हमेशा मुश्किल राज्य रहा है। नरेंद्र मोदी के दिग्विजय अभियान में भी बंगाल भाजपा की पहुंच से दूर रहा है। अगर भाजपा बंगाल में जीतती है तो दक्षिण भारत के राज्यों और ओड़िशा में भी भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। उनमें यह भरोसा आएगा कि वे जीत सकते हैं। भाजपा यह मैसेज देने में कामयाब होगी कि बंगाल के लोगों ने राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस, तीन दशक तक राज करने वाली वामपंथी पार्टियों और 10 साल तक राज करने वाली प्रदेश की इकलौती क्षेत्रीय पार्टी को खारिज करके भाजपा को चुना है। अगले साल सात राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जिनमें उत्तर प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण राज्य भी शामिल है। साल के शुरू में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा के चुनाव हैं और साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव हैं। पंजाब को छोड़ कर बाकी सभी छह राज्यों में भाजपा की सरकार है। भाजपा नेताओं को पता है कि लोकसभा चुनाव के बाद शुरू हुआ गिरावट का दौरा जारी रहता है और भाजपा पश्चिम बंगाल और असम में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो अगले साल होने वाले चुनावों पर बड़ा असर होगा। भाजपा के अपने कार्यकर्ताओं को मनोबल गिरेगा और विपक्षी पार्टियों का आत्मविश्वास लौटेगा। यह मैसेज बनेगा कि भाजपा को लगातार हराया जा सकता है।

भाजपा के जी-जान लगाने का एक कारण यह है कि उसकी दो महत्वाकांक्षी नीतियों- कृषि कानूनों और संशोधित नागरिकता कानून की परीक्षा होनी है। वैसे इन दोनों नीतियों को लागू करने के बाद कई चुनाव हो चुके हैं। लेकिन परीक्षा इस बार होनी है क्योंकि दिल्ली की सीमा पर किसान आंदोलन शुरू होने के बाद यह पहला चुनाव है। दिल्ली की सीमा पर एक सौ दिन से किसान आंदोलन कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने इस आंदोलन का समर्थन किया है और किसानों ने ऐलान किया है कि वे चुनाव वाले राज्यों में जाएंगे और भाजपा को हराने की अपील करेंगे। किसानों ने कहा है कि वे किसी पार्टी के पक्ष में प्रचार नहीं करेंगे, बल्कि मतदाताओं से कहेंगे कि जो भी भाजपा को हरा रहा हो उसे वोट करें। ऐसे में अगर भाजपा नहीं जीत पाती है तो यह कृषि कानूनों और किसान आंदोलन पर उसकी हार होगी। ऐसे ही असम का चुनाव इस बात की परीक्षा है कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए को नागरिक कैसे लेते हैं। यह कानून सबसे ज्यादा असर असम और बंगाल में ही डालने वाला है।

जैसी हकीकत, वैसी धारणा

यह तो कोई नई जानकारी नहीं है कि नरेंद्र मोदी सरकार का ध्यान हकीकत पर नहीं, बल्कि लोगों की धारणा पर होता है। आरंभ से ही उसने सुर्खियों के मैनेजमेंट पर ध्यान दिया। इसलिए अर्थव्यवस्था से लेकर सामाजिक माहौल तक बिगड़ते गए, लेकिन सरकार अपने मीडिया तंत्र से लोगों को बताने में जुटी रही कि सब ठीक है। सिर्फ ठीक नहीं है, बल्कि सब कुछ बेहतर हो रहा है। जो सत्तर साल में नहीं हुआ, वह अब हो रहा है। लेकिन जैसाकि कहा जाता है कि सच बहुत दिनों तक नहीं छिपता। यह भी कहा जाता है कि आप कुछ लोगों को कुछ समय मूर्ख बनाए रख सकते हैं, लेकिन सबको हमेशा ऐसा किए नहीं रख सकते। तो धीरे- धीरे लोग यथार्थ देखने लगते हैं। वही अब हो रहा है। तो इससे सरकार और सत्ताधारी पार्टी परेशान है। विदेशों में छवि बिगड़ी है, तो देश के

अंदर भी पहले जो समूह सरकार समर्थक थे, अब वे आलोचक होते जा रहे हैं। तो अपनी समझ के मुताबिक सरकार ने यह सोचा है कि ऐसा कि धारणाओं को ठीक से ना संभालने के कारण हो रहा है। उसकी सोच में यह बात नहीं आई कि धारणाएं इसलिए बदल रही हैं, क्योंकि हकीकत लोगों को ऐसा करने के लिए मजबूर कर रही है। बहरहाल, अपनी प्राथमिकता के मुताबिक धारणाएं ना बदलें, इसे सुनिश्चित करने के लिए पिछले दिनों मोदी सरकार ने नौ मंत्रियों का एक समूह (जीओएम) बनाया। उसकी रिपोर्ट लीक होकर पिछले दिनों मीडिया में छपी। इसमें सबसे बड़ी चौंकाने वाली बात ये सामने आई है कि रिपोर्ट तैयार करने के दौरान हुई बैठकों में कई पत्रकारों ने ही पत्रकारिता जगत को 'निष्क्रिय' करने के सुझाव दिए। इसके तहत पत्रकारों को विभिन्न श्रेणियों में बांट कर उन पर 'सरकार विरोधी और सरकारी हितैषी का ठप्पा' लगाने और विरोधियों को निष्प्रभावी करने जैसे कई सुझाव दिए गए। कुल 97 पेज के इस दस्तावेज से ये बात भी निकलकर सामने आती है कि किस तरह पूरे मीडिया को नियंत्रित ना कर पाने के चलते मोदी सरकार चिंतित है। इस नियंत्रण को हासिल करने के लिए उसने कदमों पर विचार किया है। इसी दिशा में विवादित डिजिटल मीडिया नियम लाए गए हैं, जिसने न्यूज पोर्टल्स पर सवाल उठाने के लिए प्रशासन को बेहिसाब शक्तियां दे दी हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सरकारी निवासी स्कूलों में पढ़ाया जाएगा सीबीएसई का पाठ्यक्रम

एकलव्य मॉडल स्कूलों में अब पहली से सीबीएसई की पढ़ाई

मुंबई। बीएमसी के साथ-साथ अब राज्य सरकार का भी स्टेट बोर्ड के पाठ्यक्रम से मोहभंग होता दिख रहा है। राज्य में अनुसूचित जाति और नव बौद्ध वर्ग के विद्यार्थियों के लिए हर जिले के एक सरकारी निवासी स्कूल में प्रायोगिक तौर पर कक्षा 6 से सीबीएसई का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा। सोमवार को बजट पेश करते हुए इस बात की घोषणा उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री अजीत पवार ने की है। राज्य सरकार ने सरकारी आदिवासी आश्रमशाला का कायापलट करने के लिए भी बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं। अब सरकारी आदिवासी आश्रमशालाओं का मॉडल निवासी स्कूलों में रूपांतरित करने का प्रस्ताव है। पहले चरण में 100 आश्रमशालाओं का काम हाथ में लिया जाएगा। राज्य में फिलहाल 25 एकलव्य मॉडल निवासी स्कूल हैं। इनमें छठी कक्षा से लेकर बारहवीं तक सीबीएसई का पाठ्यक्रम चल रहा है। अब अगले तीन वर्षों ने इन स्कूलों में चरणबद्ध तरीके से पहली से लेकर पांचवीं कक्षा तक सीबीएसई का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा। इस तरह ये स्कूल पूरी तरह से सीबीएसई पाठ्यक्रम वाले हो जाएंगे।

महाज्योति, सारथी, बार्टी को 450 करोड़ रुपये: सूबे में समाज के अलग-अलग वर्गों की उन्नति के लिए स्थापित महाज्योति, सारथी और बार्टी की विभिन्न योजनाओं को प्रभावी तरीके से अमल में लाने के लिए सरकार ने हर संस्था को 150 करोड़ रुपये का बजट में प्रावधान किया है।

गैंगस्टर रवि पुजारी की पुलिस हिरासत 15 मार्च तक बढ़ाई गई

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को गैंगस्टर रवि पुजारी की पुलिस हिरासत 15 मार्च तक बढ़ा दी। इससे पूर्व आरोपी ने अदालत से कहा कि वह जांच अधिकारी के साथ कुछ सूचना साझा करना चाहता है। इससे पहले विशेष मकोका अदालत ने पुजारी को 2016 में एक रेस्त्रां में गोलीबारी के एक मामले में नौ मार्च तक पुलिस हिरासत में भेज दिया था। रिमांड अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने पुजारी को विशेष न्यायाधीश डी ई कोठालिकर के समक्ष पेश किया तथा उसे और अवधि के लिये हिरासत में दिये जाने की अपील की। विशेष लोक अभियोजक सुनील गोंजाल्विस ने कहा कि

आरोपी का इकबालिया बयान सक्षम प्राधिकार ने दर्ज किया है और आरोपी का उनसे सामना कराए जाने की जरूरत है। पुजारी के वकील ने हालांकि कहा कि जांच अधिकारी को पर्याप्त समय दिया गया है और इसलिये उसे और हिरासत में दिये जाने की जरूरत नहीं है। इस बीच, पुजारी ने अदालत से कहा कि वह कुछ बातें रखना चाहता है, जिसकी न्यायाधीश ने अनुमति दे दी। पुजारी ने कहा कि उसके पास कुछ सूचना है, जिसे वह जांच अधिकारी के साथ साझा करना चाहता है। साथ ही उसने कहा कि पांच दिन के लिये पुलिस हिरासत बढ़ाए जाने पर उसे कोई एतराज नहीं है। तथ्यों और दलीलों पर विचार करने के बाद अदालत ने पुजारी की पुलिस हिरासत की अवधि बढ़ा दी। पुजारी को उपनगरीय विले पार्ले इलाके में 21 अक्टूबर 2016 को हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में 22 फरवरी को बेंगलुरू से मुंबई लाया गया था।

एक महीने में 7 फीसद बढ़े कोरोना मरीज

मुंबई। दिसंबर में कोरोना मरीजों की संख्या में गिरावट के बाद मुंबई में फरवरी से एक बार फिर मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। मार्च के शुरूआती सप्ताह में ही कोरोना के नए मरीजों की संख्या 1300 के पार हो गई। 7 फरवरी से लेकर 7 मार्च तक यानी एक महीने में मुंबई में कोरोना के नए मरीजों की संख्या 7 फीसद बढ़ गई है। बता दें कि मुंबई सहित राज्य में 10 फरवरी से कोरोना के मामलों में वृद्धि हुई है। मुंबई में 7 फरवरी से 7 मार्च तक कोरोना के 21690 नए मरीज मिले हैं। 7 फरवरी को मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या 3,11,874 थी, जो 7 मार्च को बढ़कर 3,33,564 तक पहुंच गई। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कोरोना मामलों में इजाफे की वजह लोगों के द्वारा बरती गई लापरवाही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

वैक्सीनेशन के बाद मुंबई में पहली मौत

टीका लगते ही वह गिर पड़ा और उसे आईसीयू में एडमिट करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हालांकि, निगम अधिकारियों ने कहा कि इस मामले की विशेषज्ञ समिति द्वारा जांच कराई जाएगी। फिलहाल इसे सीधे टीकाकरण से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। जानकारी के मुताबिक, बुजुर्ग को शाम 3.37 मिनट पर सीरम इंस्टिट्यूट की कोवीशील्ड वैक्सीन की 0.5एमएल डोज लगाई गई थी। वैक्सीन लगने के कुछ ही देर बाद वह चेयर पर ही गिर पड़े। बीएमसी ने एक बयान में कहा, शुरूआती जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग को कार्डियोमायोपैथी (दिल की पंपिंग क्षमता कम कर देता है), हाइपरटेंशन और डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारियां थी। बीएमसी के कार्यकारी स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मंगला गोमारे ने कहा कि टीकाकरण समिति (एईएफआई) इस घटना की पूरी जांच करेगी। बुजुर्ग के गिरते ही एड्रेनालाईन इंजेक्शन दिया गया। यह इंजेक्शन टीकाकरण के बाद होने वाले तीव्र इफेक्ट्स के मामलों में दिया जाता है और तुरंत उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया था, जहां 5.05 बजे बुजुर्ग की मौत हो गई। मुंबई में लगभग 4 लाख लोगों को टीका लगाया गया है और 400 से अधिक लोग लोगों में इसका साइड इफेक्ट देखने को मिला है। इनका मुंबई के अलग-अलग हॉस्पिटल्स में इलाज जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में टीकाकरण के बाद 40 से अधिक लोगों की मौत हुई है, हालांकि केंद्र के अनुसार, केवल वैक्सीन की वजह से किसी की भी मौत नहीं हुई है। पिछले हफ्ते, भिवंडी में एक 40 वर्षीय स्वास्थ्यकर्मी की दूसरी खुराक लेने के तुरंत बाद मृत्यु हो गई थी।

बॉलीवुड में कोरोना रिटर्न्स

दोनों फिल्मों की लीड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने भी खुद को क्वारैंटाइन कर लिया है। हालांकि, आलिया की रिपोर्ट अभी नहीं आई है। खबर के मुताबिक, संजय ने टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद खुद को क्वारैंटाइन कर लिया है। संजय के एक करीबी ने कहा है कि उनके संपर्क में आए सभी लोग अपना टेस्ट करवा लें। संजय की मां लीला भंसाली ने भी बेटे के पॉजीटिव आने के बाद अपना टेस्ट करवाया। उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। लीला भंसाली एहतियातन होम आइसोलेशन में हैं। रणबीर के पॉजिटिव होने की जानकारी उनकी मां और एक्ट्रेस नीतू सिंह ने सोशल मीडिया पर दी। उन्होंने मंगलवार को लिखा कि आप सभी की चिंता और शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रणबीर का कोविड-19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। उसका इलाज चल रहा है और वो ठीक हो रहा है। वो घर में ही सेल्फ क्वारैंटाइन है और सभी सावधानियों का पालन कर रहा है। इससे पहले अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, अर्जुन कपूर, मलाइका अरोड़ा जैसे स्टार भी कोरोना पॉजिटिव हो चुके हैं।

ममता की चुनावी चुटकी

रैली के दौरान ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग 70:30 के अनुपात की बात कर रहे हैं। वह यह जान लें कि मैं रोजाना सुबह चंडी पाठ करती हूं। मैं हिंदू परिवार की बेटी हूं। मेरे खिलाफ हिंदू कार्ड न खेलें। मैं अपने विरोधियों को चंडी पाठ पढ़ने की चुनौती देती हूं। बता दें कि नंदीग्राम में ममता का मुकाबला भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी से होगा, जो पहले टीएमसी से इस सीट पर विधायक हैं। हिंदू कार्ड के मुद्दे पर बात करने के बाद ममता बनर्जी ने मंच पर चंडी पाठ पढ़ा। उन्होंने कहा, 'ओम जयंती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी, दुर्गा क्षमा शिवा धात्री स्वाहा स्वधा नमोस्तुते...' मंत्र पढ़ने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि वे लोग नंदीग्राम के पवित्र आंदोलन को बदनाम कर रहे हैं और सांप्रदायिक कार्ड खेल रहे हैं, लेकिन लोग एक अप्रैल को होने वाले मतदान के दिन भाजपा को अप्रैल फूल बनाएंगे। जानकारी के मुताबिक, ममता बनर्जी नंदीग्राम स्थित चंडी मंदिर भी गईं। इसके बाद वह नंदीग्राम में शमशाबाद मजार पर भी पहुंचीं और चादर चढ़ाई। गौरतलब है कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल चुनाव के मद्देनजर अब तक 57 उम्मीदवारों की सूची जारी है, जिनमें नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी को ममता बनर्जी के खिलाफ उतारा गया है। ऐसे में नंदीग्राम सीट हाईप्रोफाइल हो गई है।

बीजेपी नेता गौरव शाह द्वारा आयोजित किया गया लेट अनिल शाह स्मृति चषक 2021 क्रिकेट टूर्नामेंट

मुंबई। बोरीवली पश्चिम के चिकूवाडी मैदान में हर साल की तरह इस साल भी लेट अनिल शाह स्मृति चषक 2021 क्रिकेट टूर्नामेंट 7 मार्च को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में कुल 8 टीमों ने भाग लिया। इसका आयोजन भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के युवा अध्यक्ष गौरव शाह द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के सहयोगी युवा महामंत्री अक्षत सुराना, पुर्वेश मेहता, प्रतीक जैन, भाविक अग्रवाल, विमल जैन, कल्याणजी जाना, योगेश चैलेंजर की पूरी टीम और व्यापारी प्रकोष्ठके अध्यक्ष संकल्प शर्मा की पूरी टीम उपस्थित थी। गौरव शाह इसी तरह हमेशा सामाजिक व शैक्षणिक कार्यों को बढ़ावा देते हैं। बीजेपी नेता गौरव शाह ने इस प्रोग्राम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों, नगरसेविका, मान्यवर और क्रिकेट खिलाड़ी लोगों का धन्यवाद किया और साथ ही उपस्थित मीडिया वालों का भी तहेदिल से आभार व्यक्त किया।

गूगल टूलकिट केसः निकिता जैकब, शांतनु मुलुक की गिरफ्तारी पर 15 मार्च तक रोक, दिशा रवि को पहले ही मिल चुकी जमानत

नई दिल्ली। किसान आंदोलन से जुड़े ग्रेटा थनवर्ग टूलकिट मामले में आरोपी निकिता जैकब और शांतनु मुलुक की गिरफ्तारी पर दिल्ली की कोर्ट ने 15 मार्च तक रोक लगा दी है। दोनों ने अग्रिम जमानत के लिए अर्जी दी थी, जिस पर मंगलवार दोपहर 2 बजे सुनवाई की गई। पहले इस केस की सुनवाई सुबह 10 बजे होनी थी, लेकिन दोनों के वकीलों ने जमानत याचिका पर दिल्ली पुलिस के जवाब को पढ़ने के लिए समय मांगा था, जिसके बाद सुनवाई को दोपहर तक टाल दिया गया था। केस की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने की।

इसी मामले में बेंगलुरु की एक्टिविस्ट दिशा रवि को कोर्ट जमानत दे चुका है। दिल्ली पुलिस ने वकील निकिता जैकब और इंजीनियर से एक्टिविस्ट बने शांतनु मुलुक के खिलाफ राजद्रोह के तहत मामला दर्ज किया था। निकिता की तरफ से वकील रेबेका जॉन तो शांतनु की तरफ से वीरेंद्र ग्रोवर केस की पैरवी कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने इन दोनों के अलावा एक्टिविस्ट दिशा रवि को भी देश के खिलाफ षड़यंत्र रचने और देशद्रोह का आरोपी बनाया था। दिल्ली पुलिस ने टूलकिट को भारत की छवि खराब करने के लिए बनी योजना का हिस्सा बताया था।

HEALTH CARE CLINIC
FAMILY PHYSICIAN & SURGEON
Dr. T N Teti (B.A.M.S.)
Mob : 9372912058
8852298775
Clinic Timing : 9:30 am to 10:30 pm
Shop 349 Plot 19, Gate No. 5 Malwani Malad (W), Mumbai : 400095

देश में 40 लोगों के पास 'जेड+', 190 के पास है 'जेड' और 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को बताया कि देश में 230 लोगों को सीआरपीएफ और सीआईएसएफ जैसे केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की ओर से 'जेड प्लस', 'जेड' और 'वाई' श्रेणियों के तहत सुरक्षा प्रदान की जा रही है। जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में इस बात की जानकारी दी। उन्होंने कहा, सुरक्षा प्राप्त लोगों की केंद्रीय सूची में शामिल व्यक्तियों के समक्ष जोखिम के बारे में केंद्रीय एजेंसियों के आकलन के आधार पर उन्हें सुक्षा दी जाती है और इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है। इस तरह की समीक्षा के आधार पर सुरक्षा कवर जारी रखने, वापस लेने या संशोधित करने का फैसला होता है।

नहीं दिया इस पर होने वाले खर्च का ब्योरा

मंत्री ने बताया कि मौजूदा समय में 230 लोगों के नाम इस केंद्रीय सूची में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर इन लोगों की सुरक्षा पर होने वाले खर्च का वहन केंद्र सरकार की ओर से किया जाता है। हालांकि उन्होंने इस बात का ब्योरा नहीं दिया कि ऐसे लोगों की सुरक्षा व्यवस्था पर कुल कितनी राशि व्यय हो रही है।

40 लोगों को मिल रही है 'जेड प्लस' सुरक्षा

जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में कहा, जेड प्लस सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दिए जाने के अनुरोध किए गए हैं लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते यह जानकारी साझा नहीं की जा सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा कि वर्तमान में केंद्रीय सूची में ऐसे 40 लोग शामिल हैं, जिनको जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की जा रही है।

पहली बार भारत ने 24 घंटे में लगाए 20 लाख से ज्यादा वैक्सीन डोज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर भारत में कोरोना के खिलाफ वैक्सीनेशन ने भी एक रिकॉर्ड बनाया है। 20 लाख से ज्यादा लोगों को एक दिन में वैक्सीन डोज दिए गए, जो कि दुनिया में अमेरिका के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में ही अमेरिका ने भी 20 लाख डोज प्रतिदिन का आंकड़ा पार किया है और पिछले तीन दिन का औसत वहां 21 लाख डोज तक पहुंच गया है। भारत दूसरे नंबर पर है। पिछले हफ्ते बढ़ी रफ्तार को देखकर लगता है कि आने वाले समय में यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। भारत में फेज-2 शुरू होने के साथ ही कोरोना के खिलाफ टीकाकरण को रफ्तार मिल गई है। 16 जनवरी से 28 फरवरी तक करीब 1.43 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगे थे। 1 मार्च से सीनियर सिटिजन्स को वैक्सीन डोज देने की शुरूआत हुई और उसके बाद लगातार स्पीड बढ़ ही रही है। मार्च के पहले हफ्ते में ही 50 लाख से अधिक डोज दिए गए। यानी हर दिन औसत 7.5 लाख से अधिक डोज। दूसरे हफ्ते की शुरूआत ही धमाकेदार अंदाज से 20 लाख से अधिक डोज के साथ हुई। सोमवार को 20.19 लाख डोज दिए। इनमें 17.15 लाख पहले डोज थे, जबकि 3.04 लाख दूसरे डोज।

महाराष्ट्रः सांसद डेलकर की मौत की जांच एसआईटी करेगी, बेटे ने पटेल पर मढ़ा दोष

मुंबई। लोकसभा सदस्य मोहन डेलकर की कथित आत्महत्या की जांच एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) करेगी। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में यह बात कही। बता दें कि केंद्रशासित क्षेत्र दादरा एवं नगर हवेली से सात बार लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए डेलकर का शव 22 फरवरी को मुंबई के एक होटल में पाया गया था। मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के पास पाई गई विस्फोटकों से लदी एक एसयूवी (स्कॉर्पियो) के मालिक मनसुख हीरेन की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत से जुड़े मामले में पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को गिरफ्तार करने की भाजपा की मांग के बीच गृह मंत्री का यह बयान आया। हालांकि, डेलकर और हिरेन की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के मामलों का एक दूसरे से कोई संबंध नहीं है, लेकिन मंगलवार को राज्य विधानसभा में दोनों ही मुद्दों को लेकर हंगामा हुआ। इसके चलते सदन की कार्यवाही कई बार स्थगित करनी पड़ी। देशमुख ने विधानसभा में कहा कि डेलकर के सुसाइड नोट में केंद्र शासित क्षेत्र के प्रशासक प्रफुल्ल खेड़ा पटेल का जिक्र है, जो गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री रहने के दौरान राज्य (गुजरात) मंत्रिमंडल में शामिल रहे थे। मंत्री ने कहा कि डेलकर ने अपने सुसाइड नोट में कहा था कि उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और वह प्रफुल्ल पटेल के दबाव में हैं, जो दादरा एवं नगर हवेली के प्रशासक हैं। देशमुख ने कहा कि डेलकर के सुसाइड नोट में यह जिक्र किया गया है कि उन्हें पटेल से यह धमकी मिल रही थी कि उनका सामाजिक जीवन खत्म हो जाएगा। देशमुख ने कहा कि डेलकर की पत्नी और बेटे ने भी मुझे पत्र लिख कर यह चिंता प्रकट की है।

fresh & easy
GENERAL STORE
ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN: DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बुलडाणा हलचल

बुलडाणा अर्बन ने सदस्यों के लिए क्यूआर कोड सुविधा का शुभारंभ

संवाददाता/असफाक युसुफ

बुलडाणा। बुलडाणा अर्बन देश में अग्रणी बहु-सहकारी पतसंस्था है। संस्था ने सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचते हुए लोगों के दिमाग में जड़ जमा ली है। यह क्यूआर कोड हाल ही में मलकापुर रोड की बुलडाणा अर्बन रेजिडेंसी हॉल में लॉन्च किया गया।बुलडाना अर्बन अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने के लिए हमेशा आधुनिक तकनीक को अपनाता

है। डिजिटल कोर बैंकिंग सदस्यों को बुलडाणा अर्बन के ग्राहक खातों से किसी भी बैंक को पैसे भेजने और प्राप्त करने की अनुमति देता है। अब राधेश्यामजी चांडक (भाईजी) के मार्गदर्शन में एक कदम आगे बढ़ाते हुए और संस्था के मुख्य प्रबंध निदेशक, डॉ. सुकेश जी झंवर की अवधारणा के साथ, बुलडाना अर्बन डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से, ग्राहक क्यूआर कोड, फोनपे, गूगल पे, पेटीएम, भीम ऐप, यूपीआई भुगतान आदि के माध्यम से मोबाइल के माध्यम से लेन-देन कर सकेंगे। साथ ही, यह सेवा किसी भी बैंक ग्राहक को आपसे सीधे निपटने की अनुमति देती है। इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए आज निकटतम बुलडाणा अर्बन शाखा से संपर्क करने की भी अपील की गई।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में कांग्रेस महिला ने किया अनोखा आंदोलन, चुल्हे पर रोटी बनाकर केंद्र सरकार के खिलाफ रोषव्यक्त किया

बुलडाणा। केंद्र की मोदी सरकार ने गैस सिलेंडर के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी करके देश की गरीब जनता को लूट रही है। ईंधन की बढ़ती कीमतों ने महिला बहनों के वित्तीय बजट को बिगाड दिया दिया है।8 मार्च, 2021 को, खामगाँव शहर और तालुका महिला कांग्रेस की ओर से, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल पंपों के सामने चूल्हे मे आग लगा और उस पर रोटी बना कर मोदी की प्रतीकात्मक प्रतिमा को झुनका रोटी की पेशकश की, और प्याज की छड़ी के साथ मोदी की फोटो को पीट कर महंगाई के खिलाफ एक अभिनव आंदोलन शुरू करके केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध किया। विरोध प्रदर्शन में पार्टी पक्षनिरीक्षक प्रकाश पाटिल और पूर्व विधायक राणा दिलीप कुमार सानंद मौजूद थे। श्रीमती सरस्वती खासने, महिला कांग्रेस कमिटीच्या शहराअध्यक्षा सी.सुरजीतकौर सलुजा, शहर उपाध्यक्षा सौ. मायाताई तिवारी, माजी जिल्हा परिषद अच्यक्ष सौ. वषाताई वनारे, माजी जिल्हा परिषद सदस्या श्रीमती सीमाताई ठाकरे, नगरसेविका सौ. संगीताताई पाटील, नगरसेविका सौ. शितल ताई माळवदे, नगरसेविका रेहाना शेख मेहबूब, पं.स. सदस्या सौ. ज्योतीताई सातव, महिला काँग्रेसच्या संघटक सी. पूजाताई वाघमारे, सौ.शारदाताई शर्मा यांची उपस्थिती दर्ज की। कीमतों में वृद्धि के लिए केवल केंद्र सरकार जिम्मेदार है। महिला कांग्रेस की शहर अध्यक्ष श्रीमती सुरजीत कौर सलूजा ने रोष व्यक्त किया।और मोदी सरकार को ईंधन की कीमत में कमी करने के लिए चेतावनी दी या फिर कुर्सी को खाली करे ऐसी चेतावनी दि है।

राजस्थान हलचल

मुस्लिम महासभा की जिलाध्यक्ष रेहाना पठान ने राजसमन्द सभापति अशोक टांक का किया स्वागत

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हूसैन

राजसमन्द। मुस्लिम महासभा राजसमंद की जिला अध्यक्ष रेहाना खान पठान के सानिध्य में नगर परिषद राजसमंद के सभापति श्रीमान अशोक टांक एवं पार्षद गणों का फूल मालाएं पहनाकर भव्य स्वागत किया गया इस दौरान जिलाध्यक्ष रेहाना खान पठान जमीला बेगम शैख,कंचन कंवर राजपूत, पार्षद दीपक शर्मा, आरिफ खान, असलम खान,पार्षद हेमन्त गुर्जर, पार्षद प्रमोद रेगर,पार्षद पुष्कर श्रीमाली, इत्यादि गणमान्य पदाधिकारियों का स्वागत किया गया।

रामपुर हलचल

शिक्षा सेवा अधिकरण विधेयक की प्रतियां जला कर किया गया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय सभागार में उ० प्र० शिक्षक महासंघ के बैनर तले प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी व शिक्षकों द्वारा उ० प्र० शिक्षा सेवा अधिकरण विधेयक की प्रतियां जला कर विरोध प्रदर्शन किया गया आगे कहा कि इस विधेयक में सरकारी कर्मचारियों को कोर्ट जाने के सभी अधिकार समाप्त करने का प्रावधान है इस अवसर पर माध्यमिक एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह चौहान, जिला मंत्री चरन सिंह,सेदनगर ब्लाकध्यक्ष मौलाना रहमत अली,स्वार ब्लाकध्यक्ष इंद्रेश कुमार, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश राठौर, जिला उपाध्यक्ष बबीता सिंह, मिलक ब्लाकध्यक्ष तरूण पांडेय, ब्लाक मंत्री राहत अली, इशरत अली, धर्मवीर सिंह,गौरव सिंह, प्रकुल पाजपेई, गोविंद सिंह, ऋषिपाल सिंह, एवं अन्य शिक्षक संघ के साथी मौजूद रहे।

भिंड की एकता का हूआ वेडिंग फोटो शूट के लिए सिलेक्शन

डायरेक्टर नीरज जैन ने बताया की बहुत ही जल्द ग्वालियर मे एक ब्यूटीसिअन का इवेंट होने जा रहा है जिसमे कई बड़ी कंपनी पार्टिसिपेट कर रही है इसमे कई सेलिब्रटी भी एज अ मॉडल पार्टिसिपेट कर रही है जिसमे भिंड की एकता भदौरिया का सिलेक्शन हूआ है ज्ञात रहे पूर्व मे एकता भिंड की प्रिंसेस ऑफ भिंड रह चुकी है एकता का चयन सलून लाइट जिसकी डायरेक्टर रेखा दवेदी जी के द्वारा किया गया है।

समस्तीपुर हलचल

मांगों को लेकर 16-17 मार्च विधानसभा के समक्ष आशा कार्यकर्ताओं का मार्चः शशि यादव

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। एक्टू से संबद्ध महासंघ गोपगुट की ईकाई बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ की बैठक मंगलवार को मुख्यालय के गोपगुट कार्यालय में जिला अध्यक्ष तरन्नुम फैजी की अध्यक्षता एवं संगीता संगम के संचालन में संपन्न हुई। बतौर मुख्य वक्ता आशा संघ के राज्य अध्यक्ष शशि यादव ने आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आशा बहनों को अपनी मांग स्मार्ट मोबाईल,

ड्रेस, 21 हजार रुपए मानदेय समेत देश में चल रहे मजदूर-किसानों, छात्र- नौजवान के लड़ाई के साथ भी एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 4 सूत्री लेबर कोड मजदूर- कर्मचारी विरोधी है। सरकार अपने चहेते कारपोरेट घराने को लाभ दिलाने के लिए मजदूर विरोधी कानून ला रही है। हड़ताल करने के अधिकार में कटौती की जा रही है. महंगाई आकाश छू रही है लेकिन सरकार मजे में है। इसके खिलाफ हमें एकजुटता बनाकर निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। अपनी मांगों को लेकर राज्यव्यापी हड़ताल के तहत 16-17 मार्च को पटना में विधानसभा घेराव में बड़ी संख्या में भाग लेकर सफल बनाएं। मौके पर राज कुमारी, पुनम कुमारी, सीमा झा, कल्पना सिंह, अर्चना झा, वीणा सिंह, आइसा- इनौस जिला प्रभारी सुरेन्द्र प्रसाद सिंह समेत दर्जनों आशा कार्यकर्ताओं ने सभा को संबोधित किया। अंत में एक प्रस्ताव पारित कर डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस समेत तमाम आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती महंगाई पर रोक लगाने की मांग की गई।

ट्रक के चपेट में आने से टीचर की हुई मौत

समस्तीपुर। नगर थाना क्षेत्र के मगरदही के पास ईंख लदा ट्रैक्टर के चपेट में आने से एक शिक्षक की मौत मौके पर ही हो गई। मृतक की पहचान झिल्ली चौक निवासी मो0 फैजान अंसारी के तौर पर हुई है। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षक कोई काम से साईकिल से मार्केट गए थे। काम निपटाने के बाद झिल्ली चौक वापस आ रहे थे तभी ईंख लगा ट्रक साईकिल चालक को अपने चपेट में ले लिया जिससे उसकी मौत मौके पर ही हो गई। बताया जाता है कि मो0 फैजान अंसारी धनबाद जिले का रहने वाला है। इसकी नौकरी शिक्षक के तौर पर समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर के रतवारा के एक स्कूल में कार्यरत थे। शिक्षक अपना मकान बनाकर मथुरापुर ओपी क्षेत्र के झिल्ली चौक के पास रह रहे थे। जिसका आज संध्या में सड़क हादसे में मौत हो गई। बहरहाल नगर थाना की पुलिस लाश को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जूट गई है।

स्कूली छात्र छात्राओं ने निकाला प्रभात फेरी

समस्तीपुर। वारिसनगर ब्लॉक के हांसा पंचायत के तहत प्राथमिक विद्यालय उर्दू के छात्र छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाला और अपने पोषक क्षेत्र का भ्रमण किया। स्कूल के सभी बच्चे मास्क पहने हुए थे और अपने अपने हांथों में स्लोगन लिखा हुआ तख्ती लिए हुए थे। पूछने पर स्कूल के हेड मास्टर कासिम सबा ने बताया कि बिहार सरकार के आदेश के मुताबिक यह प्रभात फेरी निकाला गया। उन्होंने कहा कि इस प्रभात फेरी निकाले जाने से लोगो मे जागरूकता फैलाना है ताकि अभिभावक अपने बच्चो को इस स्कूल में नामांकन करा सके। प्रभात फेरी में मास्टर कासिम सबा के अलावा शिक्षक दीपक कुमार और स्कूल के सभी छात्र छात्राओं ने भाग लिया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एक्सरसाइज ही नहीं, ये चीजें भी करेगी मोटापा कम!

बच्चों से लेकर बड़ों तक मोटापे की समस्या आम देखने को मिलती है। इसके पीछे कई कारण और आदतें होती हैं। वजन कम करने के लिए सबसे पहने अफने खान-पान को सुधारें और नियमित व्यायाम करें। इससे शरीर में जमा चर्बी कम होती है। आज हम आपको मोटापे से छुटकारा पाने के लिए कुछ घरेलू उपाय बताने जा रहे है।

1. रात को सोने से पहले 15 ग्राम त्रिफला का चूर्ण गर्म पानी में भिगोकर रख दें। सुबह इस पानी को छानकर शहद मिलाकर पीएं। इससे मोटापा जल्द ही दूर होगा।
2. तुलसी के पत्तों को पीसकर दही के साथ सेवन करें। इससे शरीर में अधिक चर्बी बननी कम हो जाएगी। इसके अलावा तुलसी के पत्तों के रस को पानी से साथ मिलाकर पीएं।
3. गिलोय और त्रिफला को कूटकर चूर्ण बना लें और सुबह-शाम शहद के साथ खाने से मोटापा कम होता है।
4. आलू को उबालकर गर्म रेत में सेंकर खाने से मोटापे से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके अलावा कुल्थी की दाल का रोजाना सेवन करने से चर्बी कम होती है।
5. पालक का रस और गाजर का रस को मिलाकर पीएं। इसके अलावा पालक का रस और नींबू का रस मिलाकर पीएं। इससे मोटापा कम होगा।
6. अनन्नास शरीर में मौजूद चर्बी को कम करता है इसलिए रोजाना अनन्नास का सेवन करें।
7. पिप्पली के एक या दो दाने दूध में उबाल लें और दूध से पिप्पली निकालकर खा लें। साथ में दूध पी लें। इससे मोटापा कम होगा।
8. रोजाना दही का सेवन करें। इसके अलावा छाछ में कालानमक और अजवायन मिलाकर पीने से मोटापा कम होता है।

मोतियों जैसे चमकेंगे दांत

दांत सिर्फ खाने के लिए ही नहीं बल्कि हमारी खूबसूरत मुस्कान के लिए भी मददगार होते हैं लेकिन अगर दांत पीले हो तो हमारी मुस्कान भी इम्प्रैसिव नहीं लगती। दांतों के पीले होने के पीछे बहुत सारी वजहें हो सकती हैं। शराब गुटका तम्बाकू और सिगरेट पीने वाले लोगों के दात ज्यादा पीले या कालेपन में होते हैं। इन्हें चमकाने के लिए लोग तरह-तरह के कैमिकल्स इस्तेमाल तो कर लेते हैं लेकिन यह कैमिकल्स दांतों की जड़ों को कमजोर कर देते हैं। इसकी जगह पर आप घरेलू नुस्खे अपना सकते हैं जो आपके दांतों को मोतियों जैसे सफेद बना देंगे।

1.तुलसी
तुलसी बहुत ही गुणकारी है। इससे दांतों से जुड़ी समस्याएं दूर हो जाती हैं। तुलसी के पत्तों को सुखाकर पाऊडर बना लें। इस पाऊडर को टूथपेस्ट में मिलाकर रोजाना ब्रश करने से दांतों का पीलापन दूर हो जाता है।

2. संतरे के छिलके
संतरे के छिलके और तुलसी के पत्ते सुखाकर दोनों के पीसकर चूर्ण बना लें। इन दोनों को मिक्स कर लें। ब्रश करने के बाद इस चूर्ण से दांत साफ करें। इससे दांतों के पीलापन दूर हो जाएगा।

3. नीम
नीम में एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। यह बहुत अच्छा एंटी सेप्टिक भी है। दांतों की समस्याओं को लिए नींम बहुत फायदेमंद है। नीम का दातुन करने से दांतों का पीलेपन दूर हो जाता है।

4. नींबू
1 गिलास पानी में नींबू के रस मिला लें और रात को इसमें दातुन भिगो कर रख दें। सुबह दांत साफ करने के लिए इस दातुन का ही इस्तेमाल करें। इससे दांतों का पीलापन भी दूर होगा। दांत और मसूढे भी मजबूत बनेंगे।

5. बेकिंग सोड़ा
दांतों को ब्रश करने से बाद खाने का सोड़ा(बेकिंग सोड़ा) और 1-2 बूंद नींबू का रस मिला कर इस पाऊडर को हल्के हाथों से दांतों पर रगड़ें। इसे ठंड़े पानी से धो लें। दांतों पर जमा पीली परत उतर जाएगी।

6. नमक
दांतों की किसी भी परेशानी के लिए नमक बहुत फायदेमंद है। चुटकी भर नमक में 1-2 बूंद सरसों का तेल मिला लें और इससे दांतों की मालिश करें। दांत का पीलापन दूर हो

देसी घी होता है शरीर के लिए फायदेमंद

ऐसा नहीं कि सभी तरह की वसा (फैट) शरीर को नुकसान पहुंचाता है। नए शोध से पता चला है कि दुग्ध उत्पादों और कुछ तरह के मांसाहार में पाया जाने वाला संतृप्त वसा (सैचुरेटेड फैट) शरीर के लिए फायदेमंद भी होता है। यह बात नॉर्वे की बरजेन यूनिवर्सिटी में हुए शोध में सामने आई है। पाया गया है कि कुदरती स्रोतों से प्राप्त वस्तुओं को प्रक्रियागत तरीके से खाने या पीने योग्य बनाने के बाद उनकी गुणवत्ता में आश्चर्यजनक रूप से वृद्धि होती है। 38 लोगों के खाद्य पदार्थों के अध्ययन से पता चला कि सैचुरेटेड फैट का इस्तेमाल करने वाले ज्यादा स्वस्थ पाए गए। इन लोगों के पाचन तंत्र से लेकर शरीर के अन्य प्रमुख अंगों का इस दौर में अध्ययन किया गया। पाया गया कि हृदय (हार्ट), वृक्क (किडनी) और यकृत (लिवर) समेत सभी अंगों की कार्य प्रणाली बेहतर रही है। प्रोफेसर ओटर नीगार्ड के अनुसार सैचुरेटेड फैट की ज्यादा मात्रा से भी हृदय रोग का खतरा पैदा नहीं हुआ। साथ ही शरीर में ऊर्जा की मात्रा ब$ढी हुई पाई गई। अभी तक माना जाता था कि सैचुरेटेड फैट से रक्त में एलडीएल कोलेस्टेरॉल की मात्रा बढ़ाकर हृदय रोग का खतरा बढ़ाता है।

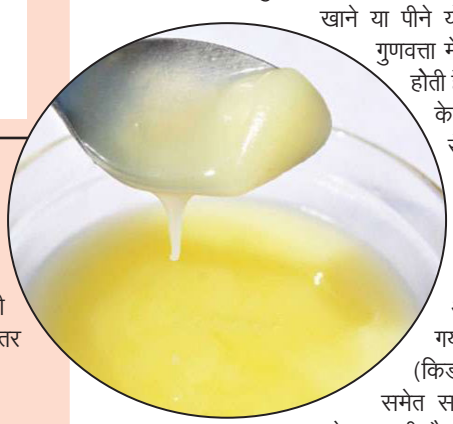

जरूरी चीजें
5-6 अंजीर, 250 ग्राम लौकी, दो बड़े चम्मच घी, आधा कप दूध, 100 ग्राम मावा, 100 ग्राम चीनी, 50 ग्राम किशमिश-काजू, इलायची, खसखस और बादाम।

बनाने की विधि
अंजीर को गर्म पानी में उबालकर ठंडा होने पर क्रश करें। लौकी को कद्दूकस कर लें। एक बड़ा चम्मच घी डालकर लौकी को धीमी आंच पर सेंकें, फिर दूध डालकर पकने दें। अब मावा दूध में डालें। अंजीर का मिश्रण डालें। जब मिश्रण खदकने लगे, तब चीनी डाल दें। चीनी का पानी जल जाने पर इसे गैस से नीचे उतारकर उसमें एक बड़ा चम्मच घी तथा इलायची पाउडर, काजू बादाम किशमिश की कतरन तथा खसखस से गार्निश कर सर्व करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इसलिए प्रड्यूसर बन गई अनुष्का

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस अनुष्का शर्मा पिछले काफी समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आई हैं। हालांकि इस दौरान प्रड्यूसर के तौर पर अनुष्का लगातार काम करती रही हैं। अनुष्का ने काफी कम उम्र में ही फिल्म प्रड्यूसर बनने का फैसला ले लिया। उन्होंने अपने प्रॉडक्शन हाउस के तले एनएच10, फिल्लौरी और पाताल लोक जैसी सुपरहिट फिल्में और वेब सीरीज भी प्रड्यूस की है। अब अनुष्का ने खुद यह बात बताई है कि उन्होंने प्रड्यूसर बनने का फैसला क्यों लिया। खबर के मुताबिक, इस मुद्दे पर अनुष्का ने कहा, हमारी फिल्मों में इतनी ताकत है कि वे चेंज ला सकती हैं और अगर सही तरीके से बनाई जाएं तो ये लोगों को बता सकती हैं कि क्या सही है और क्या गलत। जब मुझे यह बात साफ हो गई कि हम फिल्मों में महिलाओं को किस तरीके से दिखाएंगे ताकि लोगों की सोच बदली जा सके कि वह किस तरह पुरानी सोच, रीति-रिवाजों और परंपराओं के आधार पर महिलाओं को समझते हैं। अनुष्का ने आगे कहा, मुझे लगता है कि इस बारे में इतनी जागरूक तो हूं कि ऐसी फिल्में और किरदारों का चुनाव करूं जो पर्दे पर महिलाओं को दिखाने दिखाने के तरीके में बदलाव लाएं। एक प्रड्यूसर से ज्यादा ऐक्टर के तौर पर मुझे इसके लिए काफी आत्म-विश्वास की जरूरत होती है क्योंकि हमें बहाव के विपरीत तैरना होता है और महिलाओं को पर्दे पर दिखाए जाने का जो सामान्य चलन है उसे चैलेंज करना है।

शाहरुख को रशिया में दुश्मन एजेंट्स से बचाएंगे सलमान

शाहरुख खान और सलमान खान ने एक-दूसरे की फिल्मों में कई बार गेस्ट रोल किए हैं, लेकिन इसे डायरेक्टर्स की कमी कहिए या कुछ और, इन छोटे-से रोल में कभी मजा नहीं आया। अब शाहरुख की फिल्म 'पठान' में सलमान खान छोटी भूमिका निभाने जा रहे हैं और निर्माता आदित्य चोपड़ा सलमान के रोल को इस कदर यादगार बनाने में जुटे हुए हैं कि सिनेमाघर में दर्शकों के पूरे पैसे वसूल हो जाए। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सलमान खान 'पठान' में शाहरुख को रशिया में दुश्मन एजेंट्स से बचाते हुए नजर आएंगे। दोनों ने शूटिंग पूरी कर ली है। रशिया जाने के बजाय मुंबई में यशराज स्टूडियो में ही उन्होंने यह काम किया। हरे रंग के परदे या क्रोमा के सामने उन्होंने शूटिंग की। अब इस सीन में कम्प्यूटर्स की मदद से कार, बाइक्स, प्लेन और हेलिकॉप्टर दिखाए जाएंगे और सीन को दमदार बनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि सलमान का यह एंट्री सीन होगा और एक्शन से भरपूर होगा। लगभग 20 मिनट तक सलमान 'पठान' में नजर आएंगे और इन 20 मिनटों में दर्शकों के सामने एक्शन का भरपूर डोज होगा। यह सलमान और शाहरुख का अब तक का बेस्ट एक्शन सीन होगा।

ऐक्टिंग की दुनिया में वापसी करेंगी उर्मिला

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने साल 2019 में पॉलिटिक्स में उतरकर सभी को हैरान कर दिया था। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की टिकट पर लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। इसके बाद उन्होंने पिछले ही साल कांग्रेस छोड़कर शिवसेना का दामन थाम लिया था। भले ही उर्मिला पॉलिटिक्स में ऐक्टिव हों लेकिन वह अपना ऐक्टिंग का पैशन किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ना चाहती हैं। अब वह जल्द ही ऐक्टिंग की दुनिया में वापसी कर सकती हैं। उर्मिला ने एक वेब शो साइन किया है जिसकी शूटिंग जल्द शुरू हो सकती है। उन्होंने बताया, पिछले अप्रैल में, मैं एक वेब सीरीज करने वाली थी जिसकी स्क्रिप्ट मुझे काफी पसंद आई थी। हमारा शूटिंग शेड्यूल तय था मगर लॉकडाउन के कारण इसकी शूटिंग नहीं हो सकी। अभी कुछ परमिशन नहीं मिलने के कारण इसकी शूटिंग रुकी हुई है। मैं इंतजार कर रही हूं कि अब आगे क्या होगा। सही बताऊं तो मुझे पता ही नहीं कि यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ेगा भी या नहीं। उर्मिला पिछली बार लंबे समय बाद इरफान और कीर्ति कुल्हारी की फिल्म 'ब्लैकमेल' के एक आइटम सॉन्ग 'बेवफा ब्यूटी' में नजर आई थीं और इस अवतार में फैन्स ने उन्हें काफी पसंद भी किया था।